रामपुर: चाकुओं का शहर

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के **रामपुर ज़िले** को **रामपुरी चाकू** उद्योग के कारण **"चाकुओं का शहर"** के रूप में जाना जाता है, जो **18वीं शताब्दी से ही** अपने **उत्कृष्ट चाकुओं** के निर्माण के लिये प्रसिद्ध **एक स्थापित ऐतिहासिक** गढ़ है।

//

मुख्य बिंदु:

- रामपुरी चाकू **शहर की शिल्पकला का प्रतीक** और **शाही संरक्षण का प्रतिबिंब माने जाते हैं,** जिसमें कौशल तथा परिशुद्धता को महत्त्व दिया जाता था।
  - **उच्च गुणवत्ता वाले स्टील** से बने ब्लेड को हड्डी, सींग और हाथीदाँत सहित विभिन्न सामग्रियों से तैयार किये गए हैंडल द्वारा तैयार किया जाता था
  - हैंडल प्रायः अलंकृत नक्काशी से सुशोभित होते थे, जिसके कारण प्रत्येक चाकू कला की एक बेहतरीन कृति होती थी
- 1990 के दशक के मध्य में **उत्तर प्रदेश** ने **4.5 इंच से अधिक लंबे ब्लेड वाले चाकुओं के निर्माण पर प्रतिबंध** लगा दिया था। **हिंसा को कम करने के उद्देश्य से** किये गए इस नियमन ने रामपुर के पारंपरिक चाकू कारीगरी/निर्माण उद्योग को प्रभावित किया था।
  - हाल के दशकों में नियामक चुनौतियों के बावजूद भी यहाँ के **कारीगरों ने कानूनी अनुकूलन के साथ** चाकू कारीगरी की तीक्ष्णता और जटिल शिल्प कौशल को बनाए रखते हुए **अपनी विरासत को कायम** रखा है।
- यह उपाधि रामपुर की समृद्ध [सांस्कृतिक विरासत](), **स्थिति स्थापकता और शिल्प को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता का सम्मान** करती है, जिसने इसकी पहचान बनाई है तथा विश्व भर के चाकू प्रेमियों को आकर्षित किया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rampur-city-of-knives